



## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 जनवरी, 2020

 [drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-04-january-2020](https://drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-04-january-2020)

### आर. रामानुजम

हाल ही में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिये चेन्नई के रहने वाले कंप्यूटर वैज्ञानिक आर. रामानुजम को वर्ष 2020 के इंदिरा गांधी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार वर्ष 1986 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा स्थापित किया गया था और इसे प्रत्येक तीन वर्ष बाद किसी मीडिया पेशेवर या किसी वैज्ञानिक को दिया जाता है। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अनुसार, इस पुरस्कार की स्थापना का मुख्य उद्देश्य देश भर में विज्ञान को लोकप्रिय बनाना है। इससे पूर्व प्रसिद्ध भौतिकीय वैज्ञानिक जयंत विष्णु नार्लीकर और वैज्ञानिक तथा लेखक जी. वेंकटरमन को भी इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

### सरकारी आँकड़ों की गुणवत्ता पर स्थाई समिति

केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने देश के पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद प्रणव सेन की अध्यक्षता में 28 सदस्यीय स्थायी समिति का गठन किया है। सरकारी आँकड़ों में राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर समय-समय पर हो रही आलोचना के मद्देनजर इस समिति के गठन का निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह समिति सरकारी आँकड़ों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर विचार करेगी।

### कंक्रीट परिपक्वता मीटर

पुणे कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग रिसर्च फाउंडेशन (PCERF) ने हाल ही में देश के पहले स्वदेशी कंक्रीट परिपक्वता मीटर (Concrete Maturity Meter) के निर्माण का दावा किया है जो कंस्ट्रक्शन में प्रयुक्त कंक्रीट की मजबूती निर्धारित करने में मदद करेगा। ज्ञात हो कि PCERF एक गैर-लाभकारी संगठन है जो कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई और लागत प्रभावी तकनीकें उपलब्ध कराने का कार्य करता है। PCERF के अनुसार, यह उपकरण लागत को कम करते हुए ढाँचे की मजबूती का आकलन करने में त्रुटि के मार्जिन को कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

### टो-टोक मैसेजिंग एप

एक हालिया रिपोर्ट में सामने आई है कि टो-टोक नामक एक मैसेजिंग एप का इस्तेमाल संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के लिये जासूसी करने में किया जा रहा है। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए गूगल और एपल ने अपने एप स्टोर से अमीरात के मैसेजिंग एप को हटा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह एप यूजर्स की गतिविधियों को ट्रैक करता है और इसे UAE सरकार के साथ साझा करता है। ज्ञात हो कि टो-टोक को वर्ष 2019 की शुरुआत में लॉन्च किया गया था और यह मध्य पूर्व और अन्य देशों के यूजर्स में लोकप्रिय है।